Timax

अलंकार

NEP 2020
ENHANCED EDITION

हिंदी व्याकरण

अध्यापक सहायक-पुस्तिका

2

अलंकार हिंदी व्याकरण -2

पाठ 1
हमारी भाषा तथा व्याकरण

मूल उद्देश्य-

- विद्यार्थी भारत की मातृभाषा तथा अन्य भाषाओं से परिचित होंगे।
- भाषा में व्याकरण की आवश्यकता को समझेंगे।

आओ अभ्यास करें।

1. (क) भाषा द्वारा (ख) दो (ग) दोनों (घ) लिखित रूप
   (ङ) व्याकरण
2. (क) हम अपनी बात दूसरों से भाषा द्वारा कह सकते है।
   (ख) मन की बात दूसरों तक पहुँचाना और दूसरों की बात को समझना भाषा है। भाषा के दो रूप है-
   (ग) बोलकर अपनी बात कहना, मौखिक भाषा कहलाता है।
   (घ) लिखकर अपनी बात कहना, लिखित भाषा कहलाता है।
3. (क) मौखिक भाषा (ख) लिखित भाषा
   (ग) लिखित भाषा
4. (क) असमिया (ख) गुजराती
   (ग) मणिपुरी (घ) मराठी
   (ङ) पंजाबी (च) बंगाली

करें और सीखें

विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

पाठ 2
वर्ण

मूल उद्देश्य-

- विद्यार्थी भाषा में वर्ण के महत्त्व को जानेंगे।
- स्वरों की मात्राओं का उचित प्रयोग सीखेंगे।
- संयुक्त व्यंजन व आगत ध्वनियों के विषय में जानेंगे।
- अनुस्वार तथा अनुनासिक के अंतर को समझने में सक्षम होंगे।

आओ अभ्यास करें।

1. (क) वर्ण (ख) ग्यारह
   (ग) (घ) वर्ण के ऊपर
2. (क) भाषा की सबसे छोटी इकाई को वर्ण कहते हैं।
   (ख) वर्ण दो प्रकार के होते है- (1) स्वर(2) व्यंजन

(ग) वर्णों के व्यवस्थित समूह को वर्णमाला कहते है।

(घ) स्वर स्वतंत्र होते है और व्यंजन स्वरों की सहायता से बोले जाते है।

(ङ) पहला अक्षर स्वर-रहित तथा दूसरा स्वर सहित हो तो, दोनो को मिलाकर बनाए गए शब्द को संयुक्ताक्षर कहते है।

3.

स्वर	**व्यंजन**
अ, ई, उ, ऊ	ठ, भ, र, म
ऋ, ई, ओ, औ	व, झ, छ, ल

4. (क) ओ — (iv) ो
   (ख) ऋ — (iii) ृ
   (ग) आ — (ii) ा
   (घ) ऐ — (v) ै
   (ङ) ए — (i) े

5. क्ष, त्र, ज, श्र

6. (क) साँप (ख) चाँद (ग) डंडा (घ) बंदर
   (ङ) दाँत (च) आँख (छ) अंगूर (ज) ऊँट
   (झ) गाँव

करें और सीखें

बच्चे चित्र स्वयं चिपकाएँगे

(क) हाथ, हाथी (ख) अनार, अनारी

पाठ 3
नाम बताने वाले शब्द (संज्ञा)

मूल उद्देश्य-

- विद्यार्थी जीवन में नाम का महत्त्व समझेंगे।
- विभिन्न प्रकार के नामों को पहचानेंगे।
- संज्ञा के भेदों के विषय में जानेंगे।

आओ अभ्यास करें।

1. (क) संज्ञा (ख) मिठास
   (ग) ताजमहल (घ) जातिवाचक संज्ञा
   (ङ) जातिवाचक संज्ञा

2. (क) किसी व्यक्ति वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते है।
   (ख) संज्ञा के प्रमुख तीन भेद है-
   1. व्यक्तिवाचक संज्ञा 2. जातिवाचक संज्ञा3. भाववाचक संज्ञा
   (ग) विशेष व्यक्ति, वस्तु, स्थान के बारे में बताने वाले शब्दों को व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते है।

(घ) कुरसी, गाय

(ङ) गुण, दोष, दशा या भाव के बारे में बताने वाले शब्दों को भाववाचक संज्ञा कहते है। जैसे-अमीरी, हँसी

3. (क) सुनीता, सेब (ख) अध्यापक, शिष्यों

(ग) लाल किला, दिल्ली (घ) शेर, क्रिकेट

(ङ) भाई, क्रिकेट (च) चमन, विद्यालय

4. (क) उपवन (ख) पेड़ (ग) क्रिकेट (घ) लड़की

(ङ) इंडिया (च) गुलाब

5. (क) किताब (ख) सूट (ग) बगीचे (घ) कमल

करें और सीखें

व्यक्ति	वस्तु	स्थान
सुमित	मेज	घर
सुनैना	बस्ता	कुतुबमिनार
सुधीर	कार	ताजमहल

पाठ 4
पुल्लिंग-स्त्रीलिंग

मूल उद्देश्य-

- विद्यार्थी लिंग की परिभाषा एवं उसके भेदों को समझने में सक्षम होंगे।
- पुल्लिंग व स्त्रीलिंग शब्दों को भली-भाँति समझेंगे।

आओ अभ्यास करें।

1. (क) पुरुष जाति का (ख) अध्यापक

(ग) लड़की (घ) छात्र (ङ) सेविका

2. (क) स्त्री या पुरुष जाति का बोध करवाने वाले शब्दों को लिंग कहते है।

(ख) लिंग के दो भेद होते हैं- (1) पुल्लिंग (2) स्त्रीलिंग

(ग) स्त्री जाति का बोध करवाने वाले शब्दों को स्त्रीलिंग कहते हैं।

(घ) पुरुष जाति का बोध करवाने वाले शब्दों को पुल्लिंग कहते है।

3. (क) माली (iii) मालिन

(ख) धोबी (iv) धोबिन

(ग) सेठ (v) सेठानी

(घ) बेटा (ii) बेटी

(ङ) पुरुष (i) स्त्री

4. पुत्री, देवी, चाची, काकी, दादी

करें और सीखें

	पुल्लिंग	**स्त्रीलिंग**
(क)	नाग	नागिन
(ख)	बंदर	बंदरिया
(ग)	राजा	रानी

पाठ 5
एक और अनेक (वचन)

मूल उद्देश्य-

- विद्यार्थी वचन का शाब्दिक अर्थ समझने में सक्षम होंगे।
- विद्यार्थी एकवचन तथा बहुवचन का अंतर समझने में सक्षम होंगे।

आओ अभ्यास करें।

1. (क) वचन (ख) एकवचन (ग) क्रिया का (घ) एकवचन
2. (क) जिस शब्द से एक या अनेक होने का पता चलता है, उसे वचन कहते है।
   (ख) वचन के दो भेद होते है- 1. एकवचन 2. बहुवचन
   (ग) शब्द के जिस रूप से एक वस्तु या प्राणी का पता चले, उसे एकवचन कहते है।
   (घ) शब्द के जिस रूप से एक से अधिक वस्तु या प्राणी का पता चलता है, उसे बहुवचन कहते है।
   (ङ) वचन बदलने से क्रिया का रूप भी बदल जाता है।
3. (क) मेरे पास अनेक कुत्ते हैं। (ख) माँ ने कपड़े खरीदे।
   (ग) मेज़ पर किताबें रखी हैं। (घ) बच्चें स्कूल जा रहे हैं।
   (ङ) फूलों पर तितलियाँ बैठी है।
4. (क) संतरे (ख) साड़ी
   (ग) कपड़े (घ) मुरगा
   (ङ) खिलौने

5.

एकवचन	**बहुवचन**
कविता	कविताएँ
घड़ी	घड़ियाँ
नदी	नदियाँ
चादर	चादरें
पाठशाला	पाठशालाएँ

6. (क) बच्चे (ख) बकरियाँ
   (ग) उँट (घ) गाएँ

करें और सीखें

(क)	पेंसिल	पेंसिलें
(ख)	बस्ता	बस्ते
(ग)	मेज़	मेजें
(घ)	पुस्तक	पुस्तकें
(ङ)	बर्दी	वर्दियाँ

पाठ 6
उलटे अर्थ वाले शब्द (विलोम)

मूल उद्देश्य-

- विद्यार्थी उलटे शब्द के अन्य नामों से परिचित होंगे। जैसे- विलोम, विपरीत या विपरीतार्थक शब्द।
- विद्यार्थी दिनचर्या में प्रयोग शब्दों के विपरीत शब्द बताने में सक्षम होंगे।

आओ अभ्यास करें।

1. (क) शत्रु (ख) हार
   (ग) कठिन (घ) हानि
2. (क) उलटे अर्थ बताने वाले शब्द विलोम शब्द कहलाते हैं।
   (ख) उत्तर, पुण्य और निराशा।
   (ग) उलटे अथ्र वाले शब्द या विपरीत शब्द
3. (क) अशुभ (ख) पाताल
   (ग) असुंदर, कुरूप (घ) विष
   (ङ) रोना (च) हार
   (छ) साफ़ (ज) सरदी
   (झ) नकली (ञ) सफ़लता
4. (क) सफ़ेद (iv) काला
   (ख) पूर्व (v) पश्चिम
   (ग) सफलाता (vi) असफलता
   (घ) धूप (iii) छाया
   (ङ) भीतर (ii) बाहर
   (च) ऊँचा (I) नीचा
5. (क) मुझे ठंडा दूध अच्छा लगता है।
   (ख) बाहर उज़ाला है।
   (ग) रेखा हँस रही है।
   (घ) खुशी उलटी खड़ी है।

करें और सीखें

1. (क) उँच - नीच
   (ख) अमृत - विष
   (ग) अँधकार - प्रकाश
   (घ) असली - नकली
   (ङ) शुभ - अशुभ
   (च) गंदा - साफ़
   (छ) सुख - दुःख
2. बाहर - अंदर
   ऊपर - नीचे
   इधर - उदार
   बंद - खोल

पाठ 7
नाम के स्थान पर आने वाले शब्द (सर्वनाम)

मूल उद्देश्य-

- विद्यार्थी भाषा में सर्वनाम शब्दों का महत्त्व जानेंगे।
- विद्यार्थी अपने लिए, दूसरों के लिए व अन्य व्यक्तियों के लिए प्रयोग किए जाने वाले सर्वनाम शब्दों से अवगत होंगे।

आओ अभ्यास करें।

1. (क) मेरे (ख) तुम्हारा
   (ग) मैंने (घ) उनकी
2. (क) संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते है।
   (ख) सर्वनाम का प्रयोग वाक्यों को सुंदर बनाने के लिए किया जाता है।
   (ग) सर्वनाम शब्द तीन प्रकार के होते है।
3. (क) वह (ख) हम
   (ग) आप (घ) मेरा
4. (क) मैंने, उसे (ख) आपका
   (ग) इसे (घ) हमारा
   (ग) मैं
5. (क) हम, तुम (ख) उसके
   (ग) वह (घ) कौन.
   (ङ) यह

करें और सीखें

संज्ञा	सर्वनाम
रीमा	वह
आगरा	यह
लालकिला	मेरा
सौरभ	वे
दिल्ली	तुम

पाठ 8
काम वाले शब्द (क्रिया)

मूल उद्देश्य-

- विद्यार्थी क्रिया शब्दों को पहचानने में सक्षम होंगी।
- क्रिया पर लिंग व वचन के प्रभाव को जानेंगी।

आओ अभ्यास करें।

1. (क) क्रिया (ख) कर्ता (ग) हँसना (घ) खेलता है।
2. (क) किसी काम के करने या होने को क्रिया कहते हैं।
   (ख) क्रिया दो प्रकार की होती है-
   (1) अवर्मक (2) सकर्मक
   (ग) क्रिया शब्दों से हमें काम के पूरा होने का पता चलता है।
   (घ) क्रिया करने वाले को कर्ता कहते है।
3. (क) बरस रहे थे। (ख) होगी
   (ग) गया था। (घ) जा रहे हैं।
   (ङ) बुन रही है।
4. (क) कर चुका है। (ख) जा रहे है।
   (ग) आएँगें (घ) टहल रहे हैं

करें और सीखें

(क)	चढ़	चढ़ना	चढ़ा	चढेंगा
(ख)	सुन	सुनना	सुना	सुनेगा
(ग)	बैठ	बैइना	बैठा	बैठेगा
(घ)	चल	चलना	चला	चलेगा
(ङ)	जाग	जागना	जगा	जागेगा
(च)	देख	देखना	देखा	देखेगा

2. (क) उठता (ख) स्नान
   (ग) पहनता (घ) पीता
   (ङ) जाता (च) पढ़ाई
   (छ) आराम करता (ज) खेलता हूँ

पाठ 9
विशेषता बताने वाले शब्द (विशेषण)

आओ अभ्यास करें।

1. (क) सामान (ख) दोनों (ग) विशेषण (घ) दुबली
   (ङ) गीला
2. (क) संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं।
   (ख) विशेषण के तीन भेद होते हैं।
   (ग) जिन शब्दों की विशेषता बताई जाती है, उन्हें विशेषण कहते है।
   (घ) विशेषण का रूप लिंग तथा वचन के अनुसार बदल जाता है।
3. (क) अंधे (ख) लंबा (ग) ईमानदार (घ) छोटा
   (ङ) बड़ा
4. (क) चार केले (ख) काली बकरी
   (ग) गरम चाय (घ) गरीब आदमी

करें और सीखें

(क) काला (ख) तीन (ग) दो (घ) एक
(ङ) दो

पाठ 10
समान अर्थ वाले शब्द (पर्यायवाची)

मूल उद्देश्य-

- विद्यार्थी के भाषाई कौशल का विकास होगा।
- पर्यायवाची शब्दों का व्यावहारिक प्रयोग करना सीखेंगे।

आओ अभ्यास करें।

1. (क) मेघ (ख) दोनों (ग) घोड़ा (घ) दोनों
2. (क) समान अर्थ बताने वाले शब्दों को समानार्थी शब्द कहते है।
   (ख) पहाड़ (ग) सरोवर, ताल
3. (क) मनुष्य (iii) महान
   (ख) चंद्रमा (v) शशि
   (ग) बगीचा (vi) बाग
   (घ) आग (ii) अनल
   (ङ) माता (iv) जननी
   (च) पर्वत (i) पहाड़
4. (क) माफ़ (ख) विद्यालय (ग) मदद (घ) दोस्त

करें और सीखें

(क) पुत्र (ख) मित्र (ग) माता (घ) पेड़
(ङ) जल (च) पत्र (छ) पर (ज) उपवन
(झ) राजा (ञ) खग

पाठ 11
अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

मूल उद्देश्य-

- विद्यार्थी भाषा के सुंदर एवं प्रभावशाली बनाने के लिए शब्दों के लिए एक शबद की उपयोगिता को समझेंगे।

आओ अभ्यास करें।

1. (क) मूर्तिकार (ख) धोबी (ग) मोची (घ) सुनार
   (ङ) लुहार
2. (क) अनेक शब्दों के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्दों को।
   (ख) भाषा को सरल, सुंदर, आकर्षक तथा प्रभावशाली बनाने के लिए।
3. (क) माली (ख) विद्यालय/स्कूल
   (ग) रसोइया (घ) गामक
   (ङ) नास्तिक (च) दरज़ी

करें और सीखें

(क) अनपढ़ (ख) शिक्षक (ग) सत्यवादी (घ) नागरिक
(ङ) अदृश्य (च) सैनिक (छ) धर्मात्मा (ज) हलवाई
(झ) दैनिक (ञ) गणितज्ञ

पाठ 12
अनुच्छेद लेखन

1. **दिए गए अनुच्छेद को पूरा कीजिए-**

चिड़ियाघर की सैर

दिल्ली भारत की राजधानी है। दिल्ली में बहुत बड़ा चिड़ियाघर है। पिछले रविवार हम चिड़ियाघर गए। यह प्रगति मैदान के पास मथुरा रोड़ पर स्थित है। यहाँ आस-पास खाले-पीने के सामान की कई दुकानें है। हम टिकट लेकर अंदर गए। यहाँ पर पशु-पक्षियों को हम देख सकते हैं। सबसे पहले हमने रंग-बिरंगे पक्षी देखे। हमने सफ़ेद बाघ भी देखा। एक पिंजरे में जंगल के राजा शेर को कैद किया गया था। वहाँ हरी-हरी घास थी और पुश-पक्षियों को पानी पीने के लिए छोटा सा तालाब भी था। हमने जल में पड़ा भारी-भरकम हाथी भी देखा। मोर वहाँ पंख फैलाकर नाच रहा था। सचमुच चिड़ियाघर देखकर हमें बहुत मज़ा आया। चिड़ियाघर के सभी पशु-पक्षियों ने हमारा मन मोह लिया।

2. **दिए गए विषयों पर अनुच्छेद लिखिए-**

(क) मेरी प्यारी माँ

मेरी माँ दुनिया की सबसे अच्छी माँ है। वह मुझे बहुत प्यार करती है। मेरी माँ बहुत सुंदर है। उनके बाल लंबे हैं। वह मेरे लिए कई प्रकार के पकवान बनाती है। वह मेरे लिए अच्छे-अच्छे खिलौने भी लेकर आती है। वह मुझे रोज़ाना स्कूल छोड़ने जाती है और मेरे

हर काम में मेरी मद्द करती है। वह सुबह जल्दी उठ जाती है। वह मुझे बड़े प्यार से उठाती है। शाम को वह मुझे पढ़ाती हैं। उसके बाद वह मुझे पार्क भी घूमाने ले जाती है। रात के समय वह मुझे कहानी सुनाकर सुलाती है। मेरी माँ मेरी सबसे अच्छी दोस्त है। मेरे लिए मेरी माँ भगवान है।मैं अपनी माँ से बहुत प्यार करता हूँ।

(ख) दशहरा

दशहरा हिंदुओं का महत्तवपूर्ण त्योहार है। इसे 'विजय दशमी' के नाम से भी जाना जाता है। इन दिन भगवान राम ने लंकापति रावण को मारा था। यह त्योहार अश्विन मास के शुक्ल पक्ष के दसवें दिन मनाया जाता है। दशहरा बुराई पर अच्छाई की जीत का त्योहार है। इससे नौ दिन पहले जगह-जगह पर रामलीला का आयोजन किया जाता है। दशहरा के दिन रावण कुंभकरण और मेघनाद के पुतले जलाये जाते हैं। इस दिन मेलों का आयोजन किया जाता है। बाजारी सजे होते हैं। दशहरे के दिन स्कूलों व सरकारी दफ्तरों की छुट्टी होती है। यह त्योहार भारत में धूम-धाम से मनाया जाता है।

(ग) मेरा मित्र

मेरे प्रिय मित्र का नाम राजेश है। वह मेरे घर के पास रहता है। वह मेरा सहपाठी है। वह पढ़ने में बहुत होशियार है। वह हमेशा कक्षा में प्रथम आता है। वह मेरी पढ़ाई में भी सहायता करता है। हम दोनों साथ-साथ खेलते व पढ़ते हैं। वह खेल प्रतियोगिताओं में भी हिस्सा लेता है। उसकी ड्रांइग में विशेष रूचि है। उसने अनेक प्रतियोगिताओं में भाग लिया है तथा इनाम भी जीते हैं। वह सबकी सहायता करने के लिए तत्पर रहता है। वह संतुलित भोजन करता है तथा मुझे भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करता है। वह सभी अध्यापिकाओं का आदर करता है। मुझे अपने मित्र पर गर्व है। मैं उसे बहुत प्रेम करता हूँ।

(घ) गणतंत्र दिवस

हर वर्ष 26 जनवरी को पूरे भारत में गणतंत्र दिवस मनाया जाता है। 26 जनवरी, 1950 को भारतीय संविधान लागू हुआ था। भारत में गणतंत्र दिवस का दिन राष्ट्रीय अवकाश के रूप में धूम-धाम से मनाया जाता है। इस दिन राजपथ पर बहुत बड़ा कार्यक्रम रखा जाता है तथा राष्ट्रगान गया जाता है। उसके नए इंडिया गेट पर राष्ट्रपति के समक्ष भारतीय सेना द्वारा परेड किया जाता है। अनेक राज्यों की झांकियाँ प्रस्तुत की जाती है। अंत में पुरस्कार वितरण के बाद शांति को प्रदर्शित करने के लिए रंग-बिरंगे गुब्बारों को आकाश में छोड़ा जाता है। इस दिन हमें प्रतिज्ञा लेनी चाहिए कि हम देश में शांति को बनाए रखेंगे तथा देश के विकास में सहयोग देंगे।

(ङ) मेरा प्रिय खेल

बैडमिंटन खेल मेरे प्रिय खेलों में एक है। यह खेल मुझे इसलिए पसंद है क्योंकि इसको खेलने के लिए ज्यादा लोगों की आवश्यकता नहीं पड़ती। इसे खेलने के लिए केवल दो लोगां की जरूरत होती है। मुझे बैड़मिंटन खेलने वाले खिलाड़ी पी0बी0 संधू, साइना नेहवाल और पी गोपीचंद बहुत पसंद है। बैडमिंटन खेलने के लिए दो रैकेट और रटलकॉक की आवश्यकता होती है। इस खेल को खेलने के बाद शरीर में चुस्ती फुर्ती

आ जाती है और पूरे दिन भर थकान महसूस नहीं होती। मैं और मेरे भाई बहन रोज शाम को यह खेल खेलते हैं। बैडमिंटन खेलने से हमारा मस्तिष्क शांत रहता है और हम खुश रहते है।

(च) राष्ट्रीय पक्षी मोर

मोर भारत का राष्ट्रीय पक्षी है। यह बहुत ही सुंदर आकर्षक पक्षी है। मोर को मयूर भी कहते है। मोर के पंख बहुत ही सुंदर व रंग-बिरंगे होते हैं। वर्षा ऋतु के आने पर मोर अपने पंख फैलाकर नाचता हैं इसके लंबी और खूबसूरत होती है। यह चमकीले नीले रंग का होता है। इसकी गरदन लंबी होती है। इसके सिर पर कलगी होती है। यह किसानो का बहुत अच्छा मित्र है। यह हानिकारक कीटों को खा जाता है। माना जाता है कि इसके पंख घर में रखने से सुख-समृद्धि आती है। मोर पंख को श्री कृष्ण भगवान अपने सिर पर धारण करते थे। यह कार्तिकम का वाहन हैं यह सुंदर होने के साथ-साथ उपयोगी भी है।

पाठ- 13
पत्र-लेखन

आओ अभ्यास करे-

1. अपनी कुशलता बताते हुए माता जी को लिखे गए इस पत्र को पूरा कीजिए-

बी-112, रोहिणी
सेक्टर-3
दिल्ली

21 अप्रैल, 2018

पूज्य माता जी
सादर चरण स्पर्श।
मैं यहाँ पर सकुशल हूँ। आपकी कुशलता के लिए भगवान से प्रार्थना करता हूँ। मेरा स्वास्थ्य ठीक है और मैं दिल लगाकर पढ़ रहा हूँ। अध्यापक मेरे व्यवहार और पढ़ाई से बहुत खुश हैं।
आशा है घर पर सब **कुशल होंगे।** पिता जी को मेरा प्रणाम तथा **रीना** को प्यार।
आपका सुपुत्र
अभिनव

2. अपने भाई के विवाह के अवसर पर दो दिन के अवकाश के लिए प्रधानाचार्य को लिखे गए प्रार्थना-पत्र को पूरा कीजिए-

प्रधानाचार्य जी
अ.ब.स. स्कूल
दिल्ली
श्रीमान जी

सविनय निवेदन यह है कि मेरे भाई का विवाह दिनांक 23 दिसंबर, 2019 को तय हुआ है। इस कारण मैं दो दिन विद्यालय नहीं आ सकूँगा। कृपया मुझे दिनांक 22 दिसंबर, 2019 से 23 दिसंबर, 2019 तक का अवकाश देने की कृपा करें।

धन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी छात्र

नाम- रोहन

कक्षा- दूसरी

दिनांक- 15 दिसंबर, 2019

3. (क) अपने मित्र को बड़े भाई के विवाह का निमंत्रण देते हुए पत्र लिखिए।

205, नवरंग अपार्टमेंट,

राजेन्द्र नगर,

दिल्ली।

21 अप्रैल, 2019

प्रिय मित्र रोहित,

सादर नमस्कार।

तुम्हें यह जानकार अति प्रसन्नता होगी कि मेरे बड़े भाई सुमित का विवाह 5 जून, 2019 को होना तय हुआ है। बारात हमारे निवास स्थान से सायं 5 बजे करनाल के लिए प्रस्थान करेगी। विवाह के शुभअवसर पर तुम सपरिवार आमंत्रित हो। कृपया विवाह से दो दिन पूर्व आकर कृतार्थ करें, जिससेहम मिलकर विवाह उत्सव का आनंद ले सकें।

अंकल आंटी को मेरा प्रणाम कहना।

तुम्हारा मित्र,

क.ख.ग

(ख) बस बदलने का अनुरोध करते हुए प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या को पत्र।

सेवा में

प्रधानाचार्य जी,

बाल भवन पब्लिक स्कूल,

दिल्ली।

श्रीमान जी,

सविनय निवेदन यह है कि मैं रहमेश आपके विद्यालय की कक्षा-दूसरी अ का विद्यार्थी हूँ।

हमने इन गर्मी की छुट्टियों में गीता कॉलोनी से घर बदल लिया है। अब हम 25, वसुंधरा एंक्लेव में निवास कर रहे हैं। मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि मुझे आवाजाही के लिए बस बदलने की अनुमति प्रदान करें।

धन्यवाद

आपका आज्ञाकारी छात्र

अंशुमन

पाठ 14
कहानी-लेखन

1. लालची कुत्ता।
   एक कुत्ता था। उसे कहीं से एक रोटी मिली। रोटी लेकर वह नदी को पार कर रहा था। तभी उसे पानी में अपनी परछाई दिखाई दी।उसे लगा नदी में भी एक कुत्ता है, जिसक पास भी रोटी है।उसने दूसरी रोटी पाने के लालच में कुत्ते पर भौंकने के लिए मुँह खोला। मुँह के खोलते ही उसकी रोटी पानी में गिर गई। कुत्ता हाथ मलता रह गया। वह सोचने लगा, यदि मैंने लालच न किया होता, तो मैं भूखा न रहता।
2. अंगूर खट्टे है
   एक बार एक लोमड़ी जंगल में भोजन की तलाश में घूम रही थी। उसे रास्ते में अंगूर की बेल दिखाई पड़ी। उस बेल पर अंगूर के गुच्छे लटक रहे थे। लोमड़ी के मुंह में पानी आ गया। वह अंगूर के गुच्छे तक पहुँचने के लिए कई बार उछली किंतु अंगूर के गुच्छे तक न पहुँच सकी। निराश होकर उसने कहा ''अंगूर खट्टे हैं।'' और वह निराशा से वासप लौट गई।

अलंकार हिंदी व्याकरण

Interactive Resources

- Download the free app 'Green Book House' from google play.
- Free online support available on 'www.greenbookhouse.com'.
- Ample teacher's support available.

GREEN BOOK HOUSE
(EDUCATIONAL PUBLISHER)
F-214, Laxmi Nagar, Mangal Bazar, Delhi-110092
Phone : 9354766041, 9354445227
E-mail : greenbookhouse214@gmail.com
Website: www.greenbookhouse.com